रुड़की के मदरहुड विश्वविद्यालय में गुरुवार को कार्यशाला आयोजित की गई।

अनुसंधान पद्धति के बारे में दी जानकारी

रुड़की। मदरहुड विश्वविद्यालय के शोध विभाग द्वारा शोध छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शोध विभाग के डायेरक्टर डॉ. एसबी शर्मा ने शोध अनुसंधान पद्धति, साहित्य की चोरी, संदर्भ लेखन तथा शोध कार्य में नैतिकता के बारे में जानकारी दी। इनफ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुंड सॉफ्टवेयर की मेघा मालिनी ने शोध पर्यवेक्षकों तथा शोध छात्रों को सॉफ्टवेयर की उपादेयता के बारे में शोध कार्य में सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्य की चोरी का पता लगाने की पूरी विधि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डिप्टी डायरेक्टर रिसर्च डॉ. गरिमा ने शोध पद्धति, साहित्य की समीक्षा तथा शोध रूपरेखा के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत किया। मौके पर संस्थान का समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

मदरहुड यूनिवर्सिटी में शोध कार्यशाला का आयोजन किया

● जनवाणी संवाददाता, भगवानपुर

मदरहुड विश्वविद्यालय के शोध विभाग द्वारा शोध छात्रों के लिए एक दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन एमएचआरडी मंत्रालय की ओर से निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए उरकुण्ड सॉफ्टवेयर के संचालक इन फ्लिबनेट सेण्टर की तरफ से किया गया। उन्होंने शोध पर्यवेक्षको तथा छात्रों को धैर्य तथा संयम के साथ शोध कार्य को कम से कम समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रोहत्साहित किया।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय उच्चस्तरीय शोध हेतु शोध कताओं का मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहें। इसलिए समय समय पर शोध कार्यशालाओं का आयोजन करवाना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के शोध विभाग के डायेरक्टर डा० एस.बी.शर्मा ने शोध अनुसंधान पद्धति, साहित्य की चोरी, सन्दर्भ लेखन तथा शोध कार्य में नैतिकता के बारे में प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक बताया। इसके साथ साथ उन्होंने पी.एच.डी. के मैन्युअल पर विस्तारपूर्वक चर्चा की जिसमें शोध कार्य को पूरा करने के बाद से लेकर प्री पी.एच.डी. वायवा, इन फ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुण्ड सॉफ्टवेयर से साहित्य की चोरी का पता लगाना तथा अंतिम रूप से जमा करने के बाद की कार्यवाही के बारे में बताया गया। इन फ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुण्ड सॉफ्टवेयर से संबंधित के बिना आयोजन उनकी प्रतिनिधि सुश्री मेघामालिनी द्वारा क्रमश दो शिफ्टों में किया गया। प्रथम शिफ्ट में शोध पर्यवेक्षकों तथा शोध छात्रों को सॉफ्टवेयर की उपादेयता के बारे में शोध कार्य में सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्य की चोरी का पता लगाने की पूरी विधि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। दूसरी शिफ्ट में सॉफ्टवेयर के अन्य पहलुओं पर जैसे लॉगिन करने, डॉक्यूमेंट भेजने, रिपोर्ट प्राप्त करने, साहित्य की चोरी हेतु डॉक्यूमेंट चेक करने की सीमा इत्यादि पर प्रकाश डाला गया। इसके बाद डिप्टी डायरेक्टर रिसर्च डा० गरिमा द्वारा शोध पद्धति, साहित्य की समीक्षा तथा शोध रूपरेखा के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अनुसन्धान की योजना और प्रारूप के बारे में चर्चा की जिससे शोधकर्ता को अनुसन्धान की दिशा तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने प्री.पी.एच.डी. सब्मिशन की पद्धति से संबंधित शोध छात्रों के सवालों के जवाब दिए तथा शोध में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए युक्तियाँ

सुझाई। वर्कशॉप में विश्वविद्यालय के सभी फैकल्टी के शोधपर्यवेक्षक तथा शोध छात्र शामिल थे। सभी ने अपने-अपने शोध कार्यों से संबंधित प्रश्नों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा इनफ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुण्ड सॉफ्टवेयर के प्रयोग को बारीकी से समझा। अंत में डायेरक्टर रिसर्च डा० एसबी शर्मा ने कुलपति सहित सभी का धन्यवाद किया तथा समय समय पर ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए शोध छात्रों को आश्वस्त किया जिससे विश्वविद्यालय में शोध स्तर को विश्वस्तरीय बढ़ावा दिवा जा सके।

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

■ देहरादून ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ पटना ■ कानपुर ■ वाराणसी से

देहरादून

शुक्रवार ● 10 जनवरी ●

पृष्ठ 16, वर्ष-13, अंक 4415, मूल्य

शोध अनुसंधान पद्धति के बारे में दी जानकारी

■ रुड़की/एसएनबी।

मदरहुड विवि के शोध विभाग द्वारा शोध छात्रों के लिए शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्रों को शोध अनुसंधान पद्धति के बारे में जानकारी दी गई।

एमएचआरडी की ओर से आयोजित कार्यशाला को उरकुंड सॉफ्टवेयर के संचालक इन फ्लिबनेट सेंटर की तरफ से किया गया। उन्होंने शोध पर्यवेक्षकों और छात्रों को धैर्य व संयम के साथ शोध कार्य को कम से कम समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रोहत्साहित किया। इसके साथ उन्होंने कहा कि विवि उच्चस्तरीय शोध हेतु शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहे। इसलिए समय समय पर शोध कार्यशालाओं का आयोजन करवाना उनकी प्राथमिकता है।

मदरहुड विवि में कार्यशाला आयोजित

कार्यक्रम के प्रारम्भ में विवि के शोध विभाग के डायरेक्टर डा. एसबी शर्मा ने शोध अनुसंधान पद्धति, साहित्य की चोरी, संदर्भ लेखन तथा शोध कार्य में नैतिकता के बारे में प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक बताया। इसके साथ साथ उन्होंने पीएचडी के मैन्युअल पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। जिसमें शोध कार्य को पूरा करने के बाद से लेकर प्री पीएचडी वायवा, इन फ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुंड सॉफ्टवेयर से साहित्य की चोरी का पता लगाना और अंतिम रूप से जमा करने के बाद की कार्रवाई के बारे में बताया गया। इन फ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुंड सॉफ्टवेयर की प्रतिनिधि मेघा मालिनी ने प्रथम शिफ्ट में शोध पर्यवेक्षकों और शोध छात्रों को सॉफ्टवेयर की उपादेयता के बारे में शोध कार्य में सॉफ्टवेयर के माध्यम से साहित्य की चोरी का पता लगाने की पूरी विधि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। दूसरी शिफ्ट में सॉफ्टवेयर के अन्य पहलुओं पर जैसे लॉगिन करने, डॉक्यूमेंट भेजने, रिपोर्ट प्राप्त करने, साहित्य की चोरी हेतु डॉक्यूमेंट चेक करने की सीमा इत्यादि पर प्रकाश डाला गया।

इसके बाद डिप्टी डायरेक्टर रिसर्च डा. गरिमा द्वारा शोध पद्धति, साहित्य की समीक्षा और शोध रूपरेखा के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अनुसन्धान की योजना और प्रारूप के बारे में चर्चा की। जिससे शोधकर्ता को अनुसंधान की दिशा तय करने में मदद मिलती है। कार्यशाला में विवि के सभी फैकल्टी के शोध पर्यवेक्षक और शोध छात्र शामिल थे। सभी ने अपने-अपने शोध कार्यों से संबंधित प्रश्नों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा इनफ्लिबनेट द्वारा संचालित उरकुंड सॉफ्टवेयर के प्रयोग को बारीकी से समझा। अंत में डायरेक्टर रिसर्च डा. एसबी शर्मा ने कुलपति सहित सभी का धन्यवाद किया।

रुड़की : मदरहुड विवि में आयोजित कार्यशाला में शोध छात्रों को संबोधित करते डा. एसबी शर्मा।